कॉमिक्स
CFS
जंक्शन
वो सिगरेट
(फैनमेड कॉमिक्स)

विशेष - यह कहानी/कॉमिक्स पूर्ण रूप से ''फैन मेड'' है, किसी भी परिस्थिती में कॉमिक्स का उददेश्य पैसा कमाना नहीं है! धन्यवाद

वैसे ये बता ज्योति,तू हमेशा से इतनी सुन्दर थी क्या?
नहीं-नहीं,अभी 2 महीने पहले ही फेस इम्प्लांट करवाया है!
बेशर्म लाइन मार रहा है मुझ पर !
https://www.facebook.com/Comics.Junction.CFS
अरे तू सीधी बात का सीधा जवाब नहीं दे सकती क्या?
सीधी बात! तूने प्रभु चावला समझा है क्या अपने आप को?
अच्छा चल छोड,बता लाइफ में क्या चल रहा है?
ताज में फैशन शो है,ब्राइड्स ऑफ इंडिया पर,तो थोडी बिजी हूं..वरना तो वही..
..महीनों बस प्लान चलता रहता है...थोडा बहुत लिख लेती हूँ कभी-कभी बस,तू बता!
कुछ खास नहीं यार,कॉस्ट कटिंग के नाम पर बोनस मार लिया कंपनी ने!
और अगले हफ्ते घर जा रहा हूँ,काफी दिन हो गए घर गए हुए! बहुत याद आती है घर की!
कुछ देर की खामोशी...जिन्दगी के बारे में बात करो तो अक्सर ऐसा हो जाता है!

...और ये इतना साफ सुथरा घर तेरा तो नहीं हो सकता, गर्लफ्रेंड है क्या?
यह साफ सुथरा घर एक बाई की देन है, तू कहे तो शादी कर लूं उससे?
ज्योति के इस अचानक आगमन ने मेरे दिल के कई सोए तार झंकृत कर दिए थे!
यू!!
ओये मारेगी क्या?
मेरे कुछ भी कहने से पूर्व ज्योति ने मेरे घर का कोना-कोना छान मारना शुरू कर दिया था!
छी छी...तू दारु पीने लगा है, सोच आंटी को पता चला तो क्या होगा?
अरे मेरे पिछले जनम की दुश्मन!! तू किसकी साइड में है, मेरी या मम्मी की?
यार नील कहना तो नहीं चाहती पर एक सीरियस प्रॉब्लम है!
ज्योति ने शायद जिंदगी में पहली बार मेरा नाम लिया था! उसके पहले तो मैं हमेशा ढक्कन, गधा, उल्लू और जाने क्या-क्या था उसके लिए..
हाँ बोल मैं हूँ ना!

अबे बडा आया 'मैं हूँ ना' वाला! मैं तो कह रही थी कि मुझे भूख लग रही है!
हद है भुक्खड! अच्छा मैगी पडी होगी किचन में, खुद बनाएगी या मैं बनाऊ?
अबे कंजूस! बचपन की दोस्त घर आई है
और तू मैगी में टरका रहा है? पिज्जा मंगवा,
और खबरदार मुझसे पैसे मांगे तो!
अरे मेरी अम्मा... मेरी मजाल मैं तेरे से पैसे मांगू...
बोल कौन सा पिज्जा खाएगी?
अच्छा पिज्जा छोड...
...इसे पकड
ज्योति ये सिगरेट कब से पीने लगी तू? लंग कैंसर से मरेगी पागल!!
क्यों बे? तेरे सपने में आके यमराज ने भविष्यवाणी की है मेरे मरने की?
और मैं सुट्टा मारना छोड दूँ तो नहीं मरुंगी क्या?
और तू क्या जानता है मरना क्या होता है? बस एक फ्लैश और पता भी नहीं चलता कि जिन्दगी खत्म!
ओ यमराज की असिस्टेंट! अब इतनी रात गए मुझे मौत पर तेरी कविता नहीं सुननी, बख्श दे मुझे!
क्या जवाब देता मैं? मैं खुद भी बियर-सिगरेट का शौकीन था!

जानता है आखिरी सिगरेट किसी से बाँट रहे हैं तो वो कोई बहुत करीबी होता है!
कुछ कहते न बना मुझसे,क्या कहता? एक अजीब सी उदासी ने दिल में घर कर लिया था!
अब बस जाने का टाइम हो गया!
रुक मैं लिफ्ट तक छोड देता हूँ!
https://ComicsJunction.Stck.Me
जानते हो नील...जिन्दगी भर मैं तुमसे एक बात नहीं कह पायी...
I LOVE YOU
अचानक से कहे ज्योति के इन शब्दों ने मेरे दिल के प्रत्येक तार को हिला दिया था..
लिफ्ट का दरवाजा धीरे-धीरे बंद हो रहा है...और वो अपलक मेरी आँखों में निहारे जा रही थी!
वापस आकर कमरे में बैठा ही था कि फोन बज गया,उधर से मम्मी बोल रही थी!
हैल्लो नील, ज्योति, ज्योति नहीं...रही बेटा! अभी-अभी उसकी मम्मी का फोन आया था!
आज शाम मुंबई में उसका सीरियस एक्सीडेंट हो गया... स्पॉट डैथ! तुम जल्दी वहां पंहुचो!
ऐश ट्रे में अभी भी सिगरेट जल रही थी...जिसपर लिपस्टिक के निशान थे!
https://www.facebook.com/Comics.Junction.CFS
समाप्त!!!